रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 13 | अंक 18 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रू.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार , 29 जुलाई 2025 से 4 अगस्त 2025 तक

OBC के 27% आरक्षण पर रंग बदल रही सरकार, भोपाल कांग्रेस ने किया "गिरगिट प्रदर्शन"

झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना की गाड़ी को डंपर ने मारी जबरदस्त टक्कर। बंगले के बाहर निकलते ही हुई भिड़ंत। कलेक्टर थी गाड़ी में मौजूद। बाल-बाल बची कलेक्टर।

हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी की लापरवाही से दलित युवक की मौत

दलित नेता परमार ने थाना लसूड़िया पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

कंपनी व ठेकेदार पर FIR की मांग

आदित्य शर्मा - 8224951278

इंदौर। हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी की लापरवाही के कारण दलित समाज के एक होनहार युवक दीपक परमार (उम्र 28 वर्ष) की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक होटल रामाडा में सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, होटल के सामने चल रहे हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण कार्य के दौरान कंपनी द्वारा एक असुरक्षित गड्ढा खोदा गया था, जिसमें पानी भरा हुआ था कंपनी के ठेकेदार ने दीपक से उस गड्ढे में उतरकर पानी निकालने को कहा। जैसे ही दीपक परमार गड्ढे में उतरे, उन्हें करंट लग गया जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। दीपक अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था दीपक के दो बालक 10 वर्ष दिव्यांश 13 वर्ष अंशु एवं पत्नी लक्ष्मी परमार हैं घटना के विरोध में अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार के नेतृत्व में संगठन का प्रतिनिधिमंडल थाना लसूड़िया पहुंचा और थाना प्रभारी तारेश सोनी को ज्ञापन सौंपा और हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी और उसके ठेकेदार के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या (IPC धारा 304A) का प्रकरण दर्ज किया जाए की मांग कर नारेबाजी की !!

मृतक परिवार को 25 लाख रुपये की मुआवजा राशि प्रदान की जाए दोषियों को कड़ी सजा और पीड़ित परिवार को न्याय की मांग मिले की मांग को लेकर प्रदर्शन किया !! पुलिस प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है पीएम रिपोर्ट आते ही कंपनी मालिक एवं ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी!! उक्त आश्वासन के पश्चात दलित समाज के पदाधिकारियों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया परमार ने खेद जताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं बल्कि लापरवाही से की गई हत्या है। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन रोड पर उतरकर आंदोलन करेगा। इसी दौरान मुख्य रूप से दिनेश जी कुलपारे लखन देपाले संजय सोलंकी दीपक सोलंकी एडवोकेट संदीप सुनेल विमल भंडारी आशुतोष गिरनार अमित चिनाल राज परमार विकास पटेल अंकित हिरवे विशाल सारवान रितेश परमार इत्यादि सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद हुए!!

सामाजिक सौहार्द की मिसाल है छावनी का मसीही मंदिर चर्च

रंजीत टाइम्स

इंदौर । नगर प्रतिनिधि। देश के सबसे स्वच्छ शहर के सबसे पुराने चर्च जो "चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया" की अगुवाई में संचालित होता है। यहां प्रेस्बिटेरियन चर्च , क्राइस्ट चर्च , न्यू क्राइस्ट चर्च , मसीही मंदिर CNI समुदाय के लोग यहां प्रार्थना करते हैं। शैलेन्द्र साल्वे क्राइस्ट चर्च सोसाइटी के पूर्व सचिव ने हमें बताया कि इसमें चार अलग अलग सर्विस होती है,प्रार्थना करते हैं, सभी के अपने-अपने पादरी अलग-अलग है , अपने निर्धारित समय पर आकर अपनी अपनी प्रार्थनाएं करते है। यहां के पादरी है श्री जयवंत कटारा जो सुबह और शाम की आराधना का संचालन करते हैं। चर्च में उपासना समय को लेकर यहां कोई भ्रांति नहीं है । चर्च को अपनी धार्मिक उपासना (worship) किसी एक निर्धारित समय तक सीमित करने की कोई बाध्यता नहीं है। चर्च एक स्वतंत्र धार्मिक संस्था है जिसे भारतीय संविधान के तहत धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त है।

इसलिए चर्च को अधिकार है कि वे सुबह, दोपहर और शाम

किसी भी समय प्रभु की आराधना, प्रार्थना सभा या अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं और उनका ये मौलिक अधिकार है।उपासना के लिए किसी एक निश्चित समय का होना अनिवार्य नहीं है। यह समस्त जानकारी चर्च की समिति एवं चर्च के फादर द्वारा दी गई है। सभी विश्वासियों को स्वतंत्र रूप से, अपनी सुविधानुसार, चर्च आकर किसी भी समय प्रार्थना या उपासना करने का अधिकार प्राप्त है। हम सभी से अपेक्षा करते हैं कि वे इस बात को समझें और चर्च की धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करें। यहां के पादरी माइकल जी ने कहा कि चर्च में प्रार्थना करना एक पवित्र और शांतिपूर्ण अनुभव है।

यहाँ कुछ बातें हैं जो आपको ध्यान में रखनी चाहिए

1. सम्मान और शांति बनाए रखें।
2. चर्च के नियमों और परंपराओं का पालन करें।
3. अपनी प्रार्थना में ईमानदारी और सच्चाई रखें।
4. चर्च के समुदाय के साथ जुड़ने का प्रयास करें।
5. अपनी प्रार्थना में आभार और धन्यवाद व्यक्त करें।

चर्च में प्रार्थना करने के कई कारण हो सकते हैं:

1. ईश्वर के साथ जुड़नाः चर्च में प्रार्थना करने से लोग ईश्वर के साथ अपने संबंध को मजबूत बना सकते हैं।
2. आध्यात्मिक शांति और सुकूनः चर्च की शांत और पवित्र वातावरण में प्रार्थना करने से लोगों को आध्यात्मिक शांति और सुकून मिल सकता है।
3. समुदाय के साथ जुड़नाः चर्च में प्रार्थना करने से लोग एक समुदाय के रूप में एकत्र होकर प्रार्थना कर सकते हैं और एक दूसरे के साथ जुड़ सकते हैं।
4. धन्यवाद और आभार व्यक्त करनाः चर्च में प्रार्थना करने से लोग अपने जीवन में आशीर्वाद और सुख के लिए धन्यवाद और आभार व्यक्त कर सकते हैं।
5. मार्गदर्शन और समर्थन मांगनाः चर्च में प्रार्थना करने से लोग अपने जीवन के चुनौतीपूर्ण समय में मार्गदर्शन और समर्थन मांग सकते हैं।

चर्च में प्रार्थना करना एक व्यक्तिगत और सामूहिक अनुभव हो सकता है जो लोगों को अपने विश्वास को मजबूत बनाने और ईश्वर के साथ जुड़ने में मदद करता है।

ईसाई धर्म में प्रार्थना के कई प्रकार हो सकते हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख प्रकार हैं:

1. धन्यवाद प्रार्थनाः ईश्वर के प्रति आभार और धन्यवाद व्यक्त करने के लिए।
2. प्रशंसा प्रार्थनाः ईश्वर की महानता और शक्ति की प्रशंसा करने के लिए।
3. क्षमा प्रार्थनाः अपने पापों के लिए क्षमा मांगने के लिए।
4. मार्गदर्शन प्रार्थनाः जीवन के निर्णयों और चुनौतियों के लिए मार्गदर्शन मांगने के लिए।
5. संरक्षण प्रार्थनाः अपने और दूसरों के लिए सुरक्षा और संरक्षण मांगने के लिए।
6. आशीर्वाद प्रार्थनाः दूसरों के लिए आशीर्वाद और सुख मांगने के लिए।
7. प्रार्थना सभाः समुदाय के साथ एकत्र होकर प्रार्थना करने के लिए।

इन प्रकार की प्रार्थनाएं ईसाई धर्म में प्रार्थना के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती हैं और लोगों को अपने विश्वास को मजबूत बनान भारत में चर्च में प्रार्थना विभिन्न समुदायों और व्यक्तियों द्वारा की जाती है, जिनमें से कुछ प्रमुख समूह हैं:

1. ईसाई समुदायः भारत में ईसाई समुदाय के लोग चर्च में प्रार्थना करते हैं और अपने विश्वास को मजबूत बनाने के लिए एकत्र होते हैं।
2. पादरी और पुजारीः चर्च के पादरी और पुजारी प्रार्थना का नेतृत्व करते हैं और समुदाय को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।
3. विश्वासियों के परिवारः ईसाई परिवार अपने बच्चों को चर्च में प्रार्थना में शामिल होने के लिए ले जाते हैं और अपने विश्वास को अगली पीढ़ी तक पहुंचाते हैं।
4. नए विश्वासियोंः जो लोग ईसाई धर्म में परिवर्तित होते हैं या अपने विश्वास को मजबूत बनाने के लिए चर्च में आते हैं।
5. समाज के विभिन्न वर्गः चर्च में प्रार्थना में विभिन्न सामाजिक वर्गों के लोग शामिल होते हैं, जिनमें गरीब, अमीर, शिक्षित, अशिक्षित, और विभिन्न जातियों और समुदायों के लोग शामिल हैं।

चर्च में प्रार्थना एक सामूहिक गतिविधि है जिसमें विभिन्न पृष्ठभूमि और अनुभव वाले लोग एकत्र होकर अपने विश्वास को व्यक्त करते हैं और ईश्वर के साथ जुड़ते हैं।

प्रभु यीशु की मुख्य शिक्षा है

1. प्रेम और करुणाः यीशु ने प्रेम और करुणा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने दूसरों के प्रति प्रेम और सेवा करने की शिक्षा दी।
2. माफी और क्षमाः यीशु ने माफी और क्षमा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने दूसरों को माफ करने और अपने पापों के लिए क्षमा मांगने की शिक्षा दी।
3. विश्वास और आस्थाः यीशु ने विश्वास और आस्था के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लोगों को ईश्वर पर विश्वास करने और उनकी शिक्षाओं का पालन करने की शिक्षा दी।
4. नम्रता और सेवाः यीशु ने नम्रता और सेवा के महत्व पर जोर दिया।

BRTS को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका

कोर्ट ने सुनवाई के बाद अन्य ट्रैफिक याचिकाओं से टैग किया

सह संपादक दीपक वाड़ेकर

इंदौर। शहर में BRTS (Bus Rapid Transit System) की असफलता और उससे उत्पन्न ट्रैफिक समस्याओं को लेकर दाखिल एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति श्री विवेक रूसिया तथा न्यायमूर्ति बी के द्विवेदी की खंडपीठ में सुनवाई हुई। याचिका में मांग की गई थी कि जब शासन स्वयं BRTS को हटाने का निर्णय ले चुका है, iBus संचालन ठप है, और तीन बार टेंडर बुलाने के बावजूद कोई ठेकेदार सामने नहीं आया, तो तब तक BRTS कॉरिडोर को आम जनता के लिए खोला जाए। याचिकाकर्ता मोनिका सोलंकी की ओर से अधिवक्ता श्री जी.पी. सिंह एवं अधिवक्ता हेरंब वशिष्ठ ने पक्ष रखते हुए कहा कि शासन द्वारा हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के बाद BRTS की रेलिंग

तोड़ने का कार्य रातों-रात शुरू किया गया था, जिसे बिना किसी स्पष्ट कारण के रोक दिया गया और फिर से टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई। तीन बार निविदा आमंत्रण के बावजूद कोई ठेकेदार सामने नहीं आया, जिससे कार्य अधर में लटक गया है और आम नागरिकों को चालान, जाम और असमान प्रवर्तन का सामना करना पड़ रहा है।याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि जब शासन स्वयं मान चुका है कि BRTS का ढांचा अप्रासंगिक हो चुका है, तो न्यायालय को निर्देश देना चाहिए कि जब तक बीआरटीएस पूरी तरह ध्वस्त नहीं हो जाता तब तक बीआरटीएस लेन को आमजन के लिए "मिश्रित यातायात लेन (Mixed Traffic Lane)" घोषित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की चालानी कार्यवाही ना की जावे । हाईकोर्ट ने संज्ञान लेते हुए इस याचिका को इंदौर की ट्रैफिक व्यवस्था से जुड़ी अन्य लंबित जनहित याचिकाओं के साथ टैग कर लिया है। अब इस मुद्दे पर विस्तृत सुनवाई अन्य ट्रैफिक सुधार से संबंधित याचिकाओं के साथ संयुक्त रूप से होगी।

खुशबू श्रीवास्तव

दिनांक 12-7-2025 को इन्दौर गणेश धाम कालोनी मै अज्ञात व्यक्ति के शव मिलने पर उसे एमवायएच अस्पताल मर्चुरी रूम मै रखा गया है आज दिनांक तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है जिसको लेकर थाना बाणगंगा ने सुचना नोट भी जारी कर उक्त पुरुष मृतक की पहचान बताई जिसमें उसके बाय हाथ की कलाई पर मां लिखा दाय हाथ की कलाई पर दिल बना हुआ है जिसमें जान लिखा हुआ है मृतक का पहनावा काली टी-शर्ट ग्रे कलर्स पेन्ट पहना उम्र लगभग 35 वर्ष अज्ञात मृतक की जानकारी किसी भी व्यक्ति को अगर ज्ञात हो यह अन्य किसी भी थानों इस हुलिया व्यक्ति कि गुमशुदगी दर्ज हो तो वह बाणगंगा थाने से सम्पर्क कर सकते हैं तथा बाणगंगा थाने के जारी किए गए इन नम्बरों पर जानकारी दे।

थाना प्रभारी -7079108583 - थाना बाणगंगा - 7587614494

जांच अधिकारी -7389774749

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार , 29 जुलाई 2025 से 4 अगस्त 2025 तक

महामंडलेश्वर दादू महाराज, महापौर भार्गव व पं. सत्तन होंगे विशेष रूप से सम्मानित

पत्रकार सम्मान समारोह व 'एक शाम राष्ट्र के नाम' कार्यक्रम 5 अगस्त को कीमती गार्डन में आयोजित होगा

राजेश धाकड़

इंदौर।सामाजिक संस्था "आदित्य" द्वारा आयोजित भव्य पत्रकार सम्मान समारोह एवं देशभक्ति से ओतप्रोत 'एक शाम राष्ट्र के नाम' कार्यक्रम आगामी 5 अगस्त को धार रोड स्थित कीमती गार्डन में आयोजित किया जाएगा। संस्था के संयोजक सचिन नीमा एवं कार्यक्रम अध्यक्ष दिगंबर जैन समाज के प्रमुख महावीर जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों का सम्मान करना और राष्ट्रभक्ति

की भावना को प्रबल करना है। इस विशेष अवसर पर महामंडलेश्वर दादू महाराज, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, एवं पूर्व विधायक व राष्ट्रकवि पं. सत्यनारायण 'सत्तन' को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन (ताई), मंत्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व राज्यमंत्री पं. योगेंद्र महंत, सहित कई गणमान्य जनप्रतिनिधि व समाजसेवी शामिल होंगे। इसके साथ ही, इंदौर का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाओं का भी मंच से सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीत, कविताएं एवं प्रेरणादायक वक्तव्य प्रस्तुत किए जाएंगे, जो राष्ट्र के प्रति समर्पण, एकता और सेवा की भावना को सशक्त करेंगे। संस्था ने पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों, देशप्रेमियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस गरिमामयी आयोजन में पधार कर आयोजन को सफल बनाएं और राष्ट्रभक्ति के इस संकल्प में सहभागी बनें।

बाणगंगा थाने के हाथ लगा शातिर वाहन चौर गिरोह

इन्दौर। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बाद विशेष टिमो का गठन किया गया था जिसके चलते टीम ने अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर जानकारी प्राप्त करना शुरू की ऐसी एक मुखबिर द्वारा सुचना मिलने पर थाना बाणगंगा को बड़ी सफलता हाथ लगी जिसमें एक ऐसे वाहन चौर गिरोह को पकड़ा जिनसे लाखों की किमत के दो पहिया वाहन जब्त किया गए ।

थाना बाणगंगा टीम को अपने विश्वासनिय मुखबिर से सूचना मिली कि दीपमाला ढाबे के पास दो व्यक्ति चुराएं वाहनों को बेचने के लिए खड़े हैं जिनमें से एक व्यक्ति सड़क पर खड़ा हें दुसरा व्यक्ति पेट्रोल पम्प के पास वाहन लेकर खडा है जिसने पीली रंग की टि शर्ट पहनी हुई है उक्त दोनों व्यक्ति वाहन चौर है जो कि यह चुराएं हुए वाहनों को बेचने हेतु आएं हैं मुखबिर की सुचना के बाद टीम ने थाना प्रभारी को जानकारी दी थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने तत्काल टीम को पकड़ने का आदेश दिया जिसके बाद टीम मुखबिर के बाताए स्थान पर पहुंची जहां उसी हुलिया कपड़े पहना व्यक्ति वाहन पर था पुलिस द्वारा उससे वाहन के कागज की जानकारी मांगी गई तो वह नहीं दे सका उससे नाम पुछने पर अपना नाम नसीर उर्फ नासीर पिता इलियास निवासी उज्जैन

होना बताया जब उक्त व्यक्ति से सख़्ती बरती गई तो उसने वाहन चौरी का होना कबूला थाने ले जाकर उससे उक्त मामले मै पुछताछ की गई तो उसके द्वारा अन्य साथियों के साथ मिलकर उज्जैन इन्दौर सांवेर मै दो पहिया वाहन चुराना बताया गया उसकी निशानदेही पर 13 वाहनों को जब्त किया गया पुछताछ मै बताया कि वह वाहनों को चुराकर इंजन नम्बर खडींत कर नम्बर प्लेट बदल देते थे आसपास की सुनसान जगह पर वाहनों को छुपा दिया करते थे ग्राहक मिलने पर वाहन कम किमतो पर बेच देते थे उक्त मामले पुछताछ जारी है उक्त कारवाई में मुख्य भूमिका रही।

11 प्रकरणों के 10 आरोपियों की जमानत न्यायालय से कराई गई निरस्त 4 प्रकरणों में 3 आरोपियों को भेजा गया जेल

इंदौर। थाना बाणगंगा पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध की गई बड़ी कार्रवाई मात्र 10 दिवस में 11 प्रकरणों के 10 आरोपियों की जमानत न्यायालय से कराई गई निरस्त चार प्रकरणों में तीन आरोपियों को भेजा गया जेल इंदौर शहर में अपराधियों पर नक़ल कसने हेतु पुलिस आयुक्त इंदौर श्री संतोष सिंह अतिरिक्त पुलिस आयुक्त इंदौर श्री अमित सिंह एवं पुलिस उपयुक्त झोन 3 इंदौर श्री हंसराज द्वारा अपराध करने वाले अपराधियों को चिन्हित कर जमानत निरस्त करने हेतु निर्देशित किया गया था। 11 प्रकरण जमानती निरस्त हेतु न्यायालय में लंबित जिनकी सुनवाई जारी है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजेंद्र नगर इंदौर क्षेत्र स्थित संदीपनी कॉलोनी MIG मकान न. M25 का विक्रय श्रीमती राजेश्वरी अग्रवाल द्वारा श्रीमती गायत्री शर्मा दीक्षित और श्री रामदत्त दीक्षित जी को किया गया है।श्रीमती राजेश्वरी अग्रवाल जी को उनके मकान का पूर्ण मूल्य प्राप्त हो गया है। अब खरीददार पक्ष का कोई लेना देना बकाए नहीं है। इस मकान के संबंध में कोई वित्तीय लेन देन किसी का हो तो 7 दिवस में सूचित करे।

एडवोकेट प्रदीप होलकर

(मोती तबेला कलेक्टोरेट परिसर)

8109207940

विकास हो लेकिन किसान के हित प्रभावित न हो- भारतीय किसान संघ

संजय प्रेम जोशी

आम जनमानस को स्वास्थ्यवर्धक, पोषणयुक्त और जहरमुक्त खाद्य मिले यह हमारी प्राथमिकता- भारतीय किसान संघ भारतीय किसान संघ ने देश भर में किसानों के बीच सर्वे करा जानी राय

प्रबंध समिति बैठक में पारित हुये दो प्रस्ताव-

1. देश में भूमि अधिग्रहण कानून किसान हितैशी बने।

2. सभी को स्वास्थ्यवर्धक, पोषणयुक्त और जहरमुक्त खाद्य प्राप्त हो। देश भर के 37 से अधिक प्रांतों से किसान संघ के पदाधिकारी हुये शामिल भारतीय किसान संघ की अखिल भारतीय प्रबंध समिति की दो दिवसीय बैठक संघ मुख्यालय नागपुर में संपन्न।

नागपुर। नागपुर के रेशिमबाग स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय के स्मृति मंदिर परिसर स्थित महर्षि व्यास सभागार में भारतीय किसान संघ की दो दिवसीय अखिल भारतीय प्रबंध समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की जानकारी देते हुये अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने बताया कि देश भर के 37 प्रांतों से आये किसान संघ के पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक, आंदोलनात्मक व रचनात्मक एवं संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त आये विषयों पर चर्चा कर संगठन के विस्तार की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। इसके साथ ही 2047 तक भारत को विकसित राष्ट बनाने में ''स्वस्थ भारत, पोषक भारत'' के लिये "गौ-कृषि वाणिज्यम्'' को आधार बनाकर अखिल भारतीय प्रबंध समिति बैठक में देश के आम जनमानस को स्वास्थ्यवर्धक, पोषणयुक्त और जहरमुक्त खाद्य उपलब्ध हो तथा देश के विकास की प्रक्रिया में कृषि व किसान हित प्रभावित न हो इस दृष्टि से भूमि अधिग्रहण कानून किसान हितैषी बने। इन दो विषयों पर चर्चा उपरांत प्रस्ताव पास कर सरकार को सुझाव भेजे जा रहे हैं। इस अवसर पर प्रबंध समिति बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल जी का बौद्दिक व समापन सत्र में किसान संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी जी का मार्गदर्शन मिला।

खाद्यान्न के जहरयुक्त होने पर कार्यकारिणी ने की चिंता व्यक्त

किसान संघ की प्रबंध समिति बैठक में दो दिन तक चले मंथन के बाद घातक कीटनाशक, खरपतवारनाशक, जैव उत्तेजक और हॉर्मोन उत्पादों के कारण हमारे अधिकांश खाद्यान्न जहरयुक्त होने पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। महामंत्री श्री मिश्र ने बताया कि विभिन्न शोध से प्राप्त जानकारी के अनुसार अल्जाइमर, कैंसर, चर्मरोग, स्तन कैंसर व श्वास से संबंधित बीमारियों का प्रमुख कारण रासायनिक खेती का प्रभाव है। हमारे प्रमुख खाद्यान्नों में पिछले 50 वर्षों

में 45 प्रतिशत तक पोषण मूल्य की गिरावट दर्ज हुई है। साथ ही कृषि लागत एवं मूल्य आयोग के अनुसार किसानों की कृषि उत्पादन लागत आय के अनुपात में तेजी से बढ़ रही है। जिसके लिये वर्तमान में प्रचलित बाजार आदान आधारित कृषि पद्वति जिम्मेदार है। यह सब कृषि क्षेत्र व किसानी के लिये शुभ संकेत नहीं हैं।

स्वास्थ्यवर्धक, पोषणयुक्त और जहरमुक्त खाद्य प्रस्ताव में ये हैं सुझाव

अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने स्वास्थ्यवर्धक, पोषणयुक्त और जहरमुक्त खाद्य को लेकर पारित प्रस्ताव के संबंध में जानकारी देते हुये बताया कि भारतीय किसान संघ ने प्रस्ताव के माध्यम से देश के किसानों से आह्वान किया है कि गौ कृषि वाणिज्यम् पद्धति को व्यापक स्तर पर अपनायें तथा जिससे देश के नागरिकों को रसायनमुक्त व जहरमुक्त कृषि उत्पाद उपलब्ध हों सकें। श्री मिश्र ने कहा कि देश के नीति निर्धारक गौ कृषि वाणिज्यम् पद्धति को 5 वर्ष की समयावधि में केंद्र व राज्य सरकारों के लिये व्यापक, व्यवहारिक व सुदृढ़ व्यवस्था लागू करें।

ये हैं सुझाव-

1. सभी कृषि खाद्यान्न और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में रसायन अवशेषों के मानक तय करें।

2. आयातित खाद्य पदार्थ व खाद्यान्न में गैर जीएम के साथ गुणवत्ता जांच को अनिवार्य कर इस हेतु जीएम खाद्यान्न मुक्त की सुनिष्चितता के लिये कठोर कानून बने।

3. गौ आधारित जैविक खाद्यान्न के लिये स्वतंत्र व अलग से उत्पाद खरीद, विपणन, भंडारण, वितरण, ब्रांडिंग और सरल प्रमाणिकरण की व्यवस्था स्थापित हो। गौ आधारित जैविक कृषि खाद्यान्नों में अधिकतम रसायन अवशेष के मानक तय किए जाएं। फलस्वरूप किसानों को कृषि उत्पाद को देश विदेश में उचित मूल्य पर विक्रय का रास्ता सुलभ हो सके तथा जैविक खाद्य की मुख्यधारा में रसायनयुक्त खाद्यान मिलावट करने वाले दोषियों को अपराधियों के रूप में कठोरतापूर्वक दंडित किया जा सके, ऐसा कानून बनाया जाए।

4. भारत सरकार जैविक कीटनाशकों के संशोधन, प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग को पूरी गंभीरता एवं प्रबल ईच्छाशक्ति से शीघ्र कार्यानिन्वयन करें, जिससे जैविक उत्पादन में गतिशीलता और तीव्रता लाई जा सके।

5. नीति निर्माण में कृषि-पोषण-स्वास्थ्य तंत्र को एकजुट किया जाए और इसके लिए समर्पित शोध व संसाधन सुनिश्चित कराने की व्यवस्था भी की जाए। जिससे गौ आधारित जैविक खेती का समग्र दृष्टीकोण पर आधारित वैज्ञानिक तकनीक पद्धति विकसित हो सके और किसान उसे सुगमता, विश्वासपूर्वक और व्यावहारिकता से अपना सकें।

6. वर्ष २०४७ तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु ''स्वस्थ भारत, पोषित भारत'' के लिए ''गौ-कृषि वाणिज्यम्'' पर आधारित ठोस रणनीति अपनानी होगी।

7. बाजार में बिक रहे घातक, प्रतिबंधित व घटिया गुणवत्ता वाले कीटनाशक, खरपतवारनाशक व रासायनिक उर्वरकों को बेचने वाली कम्पनियों पर भी कठोर कानून लागू करना ही होगा। बाजार में किसान की ठगबाजी बंद हो सके।

भूमि अधिग्रहण कानून किसान हितैषी बनाने पारित हुआ प्रस्ताव।

भारत में अंग्रेजों ने अपनी भूमि की आवश्यकताओं की पूर्ति करने की मंशा से भूमि अधिग्रहण कानून 1894 में बनाया गया, जिसमें किसानों का केवल शोषण होता था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी यहीं कानून प्रचलित था। वर्ष 1962 एवं 1984 में इसमें संशोधन हुए, वर्ष 2013 में नया भू अर्जन, पुनर्वास व पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 बना, जो 1 जनवरी 2014 से प्रभावी हुआ। भारतीय किसान संघ ने एक देशव्यापी सर्वे किया, जिससे विभिन्न प्रदेशों में व्याप्त किसानों की समस्याऐं उजागर हुई।

समस्यायें-

1. सरकार द्वारा कई जगह कृषि भूमि का वास्तविक कब्जा लेने के बाद भी किसानों को मुआवजा राशि नहीं मिली। जहं मुआवजा राशि मिली भी, वहां कृषि भूमि के बाजार भाव से भी कम दाम दिये गये, वह भी समय पर नहीं मिले।

2. किसानों को रोजगार, प्लाट, नौकरी आदि की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया गया। जो पूर्ण नहीं किया गया।

3. कुछ जगहों पर भूमि के बदले विकसित प्लाट देने की बात कही गई है, जिसके लिए कानून भी बनाये गये है, लेकिन यह कानून भ्रामक प्रतीत होते है। जैसे- मध्यप्रदेशमें अभी हाल में म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक 2025 में धारा 66 (क) जोड़ी गई है। जिसमें विकसित प्लाट की कोई परिभाषा नहीं है, कितनी भूमि देय होगी, किस जगह की भूमि देय होगी यह भी तय नहीं है, कब दी जायेगी इसकी अवधि कितनी होगी यह तय नहीं है। किसान यदि मुआवजा चाहे तो ऐसा विकल्प भी नहीं है। विकसित प्लाट आवंटन में किसान की प्राथमिकता तय नही है। सर्वे में यह भी पाया गया कि जहां भी कृषि भूमि अधिग्रहित की गई है, वहां किसान एवं अन्य ग्रामवासी प्रभावित हुए। जीवन यापन की कोई व्यवस्था नही है। जैसे - मध्य प्रदेश के महेश्वर बांध परियोजना जो वर्ष 1993 में शुरू हुई जिसमें डूब क्षेत्र में 61 गांव के 10 हजार परिवारों का अभी तक पुनर्वास नहीं हुआ।

4. कहीं कहीं अधिग्रहित होने के बाद बची हुई भूमि भी नई परिस्थिति के कारण, पानी में डूबी है या खेती लायक नही बची या पहुंच पाना अत्यंत कठिन हो गया है, अतः ऐसी परिस्थिति में उक्त भूमि पर खेती करना संभव नहीं रहा। ऐसी भूमि का अधिग्रहण न होने से किसान को मुआवजा भी नही मिला।

5. प्रस्ताव पास कर केन्द्र व राज्य सरकार को भेजे गये यह सुझाव

भूमि अधिग्रहण कानून किसान हितैषी बनाने किसान संघ ने प्रबंध समिति में प्रस्ताव पास कर केंद्र व राज्य सरकार को भेजे सुझाव में कहा गया कि कृषि भूमि का अधिग्रहण करने के पहले देश में उपलब्ध 'ऊसर' भूमि का सर्वे हो। भूमि ऊसर होने से उस पर पेड़-पौधें या कृषि करना संभव नहीं है। अतः ऐसी भूमि का अन्य विकास कार्यो में उपयोग किया जा सकता है तथा देश की बहुमूल्य कृषि योग्य भूमि बचाने के लिये अति आवश्यक होने पर संबंधित कानूनों में संशोधन करने का सुझाव दिया।

1. अधिग्रहित भूमि का मुआवजा उक्त क्षेत्र के जिस दिन भुगतान हो, उसी दिन के अधिकतम बाजार भाव से न्यूनतम 4 गुना हो, जिसका पूरा मुआवजा मिलने के बाद ही उक्त किसान को उस भूमि से बेदखल किया जाये। इन शर्तों के पूर्ण होने के पूर्व यदि किसान को बेदखल किया गया हो तो इसे क्रिमनल अपराध की श्रेणी में माना जाये, साथ ही उक्त किसान को तय मुआवजे पर 100 प्रतिशत पेनाल्टी के रूप में देय हो। जैसे पीपीएफ में यह नियम लागू है।

2. किसान को प्राप्त होने वाली राशि सभी प्रकार के टैक्सों से मुक्त हो, साथ ही इस राशि को जहां भी निवेश किया जाये। वहां भी रजिस्ट्री स्टाम्प आदि ड्यूटी से मुक्त हो।

3. भूमि अधिग्रहण में दिये गये सभी आष्वासनों का पूर्ण पालन अनिवार्य रूप से हो, जैसे नौकरी, विकसित प्लाट, भूमि आदि का पूर्ण पालन हो।

4. किसानों को यह विकल्प भी हो कि विकसित प्लाट या अन्य के बदले यदि किसान चाहे तो उसे एकमुश्त रकम विकल्प के रूप में प्राप्त हो। विकसित प्लाट आवंटन में किसान की पसंद को प्राथमिकता मिले।

5. अधिग्रहित की जाने वाली भूमि के बाद भी यदि किसान के पास कृषि भूमि शेष रहती है जो कृषि उपयोगी न होने से जिसे किसान वह भूमि स्वेच्छा से सरकार को देना चाहे तो उक्त भूमि भी उसी दर से अधिग्रहित करना अनिवार्य हो।

6. सड़क, रेल लाइन आदि के कारण भूमि की ऊँचाई बढ़ने पर प्रति 2 कि.मी. पर नीचे से 'बाईपास' बनाये जाये ताकि किसान अपने खेती की देखभाल कर सके।

7. कृषि भूमि को औद्योगिक विकास के लिये ली जाने की परिस्थिति में वहां स्थापित होने वाले उद्योगों के शेयर, उन किसानों को अधिग्रहित भूमि के अनुपात में अंकित मूल्य पर प्रमोटर कोटे में देय हो।

8. बाँध आदि बड़ी योजना पूर्ण होने के बाद सरकार के पास अधिग्रहित की गई अतिरिक्त भूमि शेष बचने पर वह भूमि उसी किसान को वापिस की जाये।

9. किसी योजना के प्रयोजन से, अधिग्रहित की गई कृषि भूमि, भविष्य में प्रयोजन उद्देष्य बदलने की स्थिति में अधिगृहण रद्द मानकर जमीन उसी किसान को या उसके वंषजों को लौटा दी जाये।

10. ऐसा देखने में आया है कि किसान किसानी के अतिरिक्त व्यापार दुकान आदि अन्य कोई कार्य करने का अनुभव न होने से मुआवजे में प्राप्त राशि कुछ समय में समाप्त होने पर किसान कंगाल हो जाता है। अतः विकल्प के रूप में सुझाव है कि यदि किसान चाहे तो उसकी इच्छा से, उसे मुआवजे की एकमुश्त राशि के बदले प्रतिवर्ष प्रति एकड़ के अनुपात में सिकमी (वार्षिक लीज रेंट) की राशि वहां प्रचलित दर से प्रति एकड़ के अनुपात में देय हो तथा जब कभी किसान उक्त भूमि का मुआवजा चाहे, उस समय के बाजार भाव से 4 गुना राशि देकर एक मुश्त मुआवजा किसान प्राप्त कर सके यह विकल्प भी हो। इससे सरकार को एक साथ एक मुश्त राशि की जरूरत नही पड़ेगी, किसान को भी प्रतिवर्ष राशि मिलती रहेगी। ▪ आंध्र प्रदेष में वार्षिक किराया 40हजार रूपये प्रति एकड़ की दर से दिया जा रहा है।▪

11. अभी हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पुर्नवसन पर एक निर्णय प्रकाशित हुआ है, यदि इससे किसान पुर्नवसन के अधिकार से वंचित हो रहे हों तो, सरकार से निवेदन है कि इस पर रिव्यू पीटिशन दायर करें।

12. वर्ष 2013 के कानून में राज्यों ने अपनी सुविधानुसार बदलकर उसके मूल तत्व को समाप्त कर दिया है। इस मूल भावना को ध्यान में रखकर केन्द्र सरकार इस भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में आवश्यक संशोधन कर संवैधानिक रूप से संपूर्ण देश में इसे समान रूप से लागू करे।

इंदौर। अखिल भारतीय क्षत्रिय सरगरा महासभा मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राजेश मारू ने युवा सामाजिक कार्यकर्ता और गरीबों की हर संभव मदद करने वाले मदनलाल सोलंकी को महासभा का युवा अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। मदनलाल सोलंकी को प्रसिद्ध भजन गायक बाबू राजोरिया सहित अनेक लोगों ने बधाई दी है।

पंचमुखी हनुमान भक्त मंडल ने पश्चिमी क्षेत्र के पंचमूर्ति नगर से कावड़ यात्रा इंदौर से उज्जैन महाकाल अभिषेक के लिए निकली इस कार्यक्रम के आयोजक अमन परमार सेन जी एवं संयोजक पियूष मेडतवाल साथ में साहिल विश्वकर्मा आर्यन परमार दीपेश करोड़े जी सहित अन्य मौजूद थे

नगर मंडल भाजपा हाटपीपल्या द्वारा कारगिल विजय दिवस मनाया गया

संजय प्रेम जोशी

कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले सैनिक बलवान सिंह राणा का पुष्प माला द्वारा सम्मान किया गया

हाटपिपल्या। नगर मंडल भाजपा द्वारा नगर के भगत सिंह चौराहा पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कारगिल विजय दिवस मनाया गया विजय दिवस के अवसर पर भगत सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दिप प्रज्वलित कर कारगिल विजय दिवस मनाया गया इस अवसर पर कारगिल युद्ध में नगर के सैनिक श्री बलवान सिंह राणा द्वारा

भाग लिया गया था इस मौके पर उनका पुष्प माला द्वारा सम्मान किया गया इस अवसर पर नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सैधव नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण राठौड़ बापूलाल धौसरिया कृपाल सिंह सैधव भुजराम जाट मंडल महामंत्री रमेश संदूकलिया विनोद जोशी मंदन बुंदेला राजकिशोर जायसवाल महेंद्र बाबा राजेंद्र सिंह पटेल लखन मेकालिया यशवंत चौहान सुरेन्द्र सिंह सैधव अभिमन्यु सैधव रामसिंह सैधव शैलेन्द्र सैधव जुगल रलोती शकील मंसूरी समेत अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रसिद्ध भजन गायक बाबू राजोरिया का नया एल्बम भोला गांजा पिए रिलीज

इंदौर। सावन के पवित्र महीने में ओंकार पी, जी,आर प्रेजेंट और यूनिक्स कैसेट के सहयोग से, भोला गांजा पिए, रिलीज किया गया है। इस एल्बम में प्रसिद्ध भजन गायक बाबू राजोरिया द्वारा लिखित और अपनी मधुर आवाज में जानदार तरीके से गाया है जिसे सुनते ही भक्त जनों के पाव नाचने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इस एल्बम के गाने भी स्वयं बाबू रेजर ने लिखे हैं। इस एल्बम में संगीत दिनेश सोलंकी ने दिया है और इस एल्बम की रिकॉर्डिंग विजय स्टूडियो में की गई है।

पत्नी और ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से तंग युवक ने की आत्महत्या की कोशिश

राजेश धाकड़

इंदौर विजयनगर थाना क्षेत्र निवासी महेन्द्र साहू ने अपनी पत्नी अनिता साहू और ससुराल पक्ष पर मानसिक प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने का गंभीर आरोप लगाया है। महेन्द्र के अनुसार, बीते दो वर्षों से उसकी पत्नी उसे बार-बार अपमानित कर रही थी और ऐसी बातें कहती थी जिससे वह मानसिक रूप से टूटता गया। लगातार तनाव और अपमान झेलने के बाद 17 जुलाई को उसने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। हालांकि समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई। पीड़ित महेन्द्र ने पत्नी अनिता के साथ-साथ उसके पिता कैलाश साहू, भाई-बहन और अन्य रिश्तेदारों पर भी मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।फिलहाल पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नशे से दूरी है जरूरी": इंदौर पुलिस के अभियान से जुड़ा व्यापारी वर्ग, जन-जन में फैली जागरूकता

इंदौर, नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ इंदौर पुलिस द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान "नशे से दूरी है जरूरी (Say No to Drugs)" अब आमजन के साथ-साथ व्यापारी वर्ग को भी प्रेरित कर रहा है। पुलिस कमिश्नरेट इंदौर के निर्देशानुसार शहर के सभी थाना क्षेत्रों में दिनांक 26 जुलाई 2025 को विशेष जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान के तहत थानों की पुलिस टीमों ने बाजारों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया और उन्हें नशामुक्ति की शपथ दिलाई।

प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार रहीं

थाना संयोगितागंजः थाना प्रभारी व स्टाफ ने छावनी जूनी मंडी क्षेत्र में व्यापारियों व नागरिकों को नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित किया।

थाना राऊः राऊ चौराहे पर व्यापारियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए हस्ताक्षर अभियान से जोड़ा गया।

थाना सराफाः थाना प्रभारी श्री एस.एस. रघुवंशी व टीम ने व्यापारिक संगठनों से मिलकर अभियान को आगे बढ़ाया।

थाना पंढरीनाथः मच्छी बाजार के व्यापारियों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ते हुए नशा मुक्ति का संकल्प दिलवाया गया।

थाना छत्रीपुराः गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र के व्यापारियों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया।

थाना तेजाजी नगरः D-Mart नायता मुंडला में कस्टमर्स और स्टाफ को जागरूक कर नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई।

थाना आजाद नगरः थाना प्रभारी श्री तिलक तिरोले ने मूसाखेड़ी क्षेत्र में व्यापारियों को शारीरिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान की जानकारी दी। एडिशनल डीसीपी क्राइम श्री राजेश दंडोतिया ने दो स्कूलों के 600 विद्यार्थियों और एक सामाजिक संस्था के 150 सदस्यों को संबोधित किया। उनि शिवम ठक्कर व टीम ने विभिन्न स्कूलों में जाकर 3000 विद्यार्थियों, शिक्षकों व वाहन चालकों को नशामुक्ति की शपथ दिलवाई और हस्ताक्षर अभियान चलाया।

संदेश स्पष्ट है

इंदौर पुलिस का यह अभियान समाज के हर वर्ग तक पहुँच रहा है – छात्र, व्यापारी, शिक्षक, वाहन चालक या आम नागरिक। "नशे से दूरी है जरूरी" का नारा अब केवल स्लोगन नहीं बल्कि जनांदोलन बनता जा रहा है। इंदौर पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे खुद भी नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके खिलाफ जागरूक करें। यही मिलकर समाज को इस बुराई से मुक्त करने का रास्ता है।

सेवा ही धर्म, पर्यावरण ही कर्म-धर्मवीर सेवा संस्थान के संग हर कदम

रोबोट चौराहा पर भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न, जनमानस में फैली पर्यावरण चेतना

राजेश धाकड़

इंदौर – हरियाली और स्वच्छ वातावरण के लिए धर्मवीर सेवा संस्थान द्वारा आज रोबोट चौराहा संत गाडगे प्रतिमा के समीप पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम ने समाज में पर्यावरण संरक्षण की चेतना को नया आयाम दिया। "एक पेड़ – एक जीवन" की भावना के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक ने सक्रिय भागीदारी निभाई। संस्था ने इस अवसर पर सौ से अधिक छायादार व औषधीय पौधे लगाए।,हर नागरिक लगाए एक पेड़" श्री विशाल श्रीवास वृक्षारोपण प्रभारी प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है। आज लगाए गए ये पौधे कल की ऑक्सीजन, छाया और जीवन का आधार बनेंगे।"

पीएम मोदी ने रचा इतिहास

पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को पीछे छोड़ा

बने देश के दूसरे सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले प्रधानमंत्री

आदित्य शर्मा » रणजीत टाइम्स

सह. संपादक

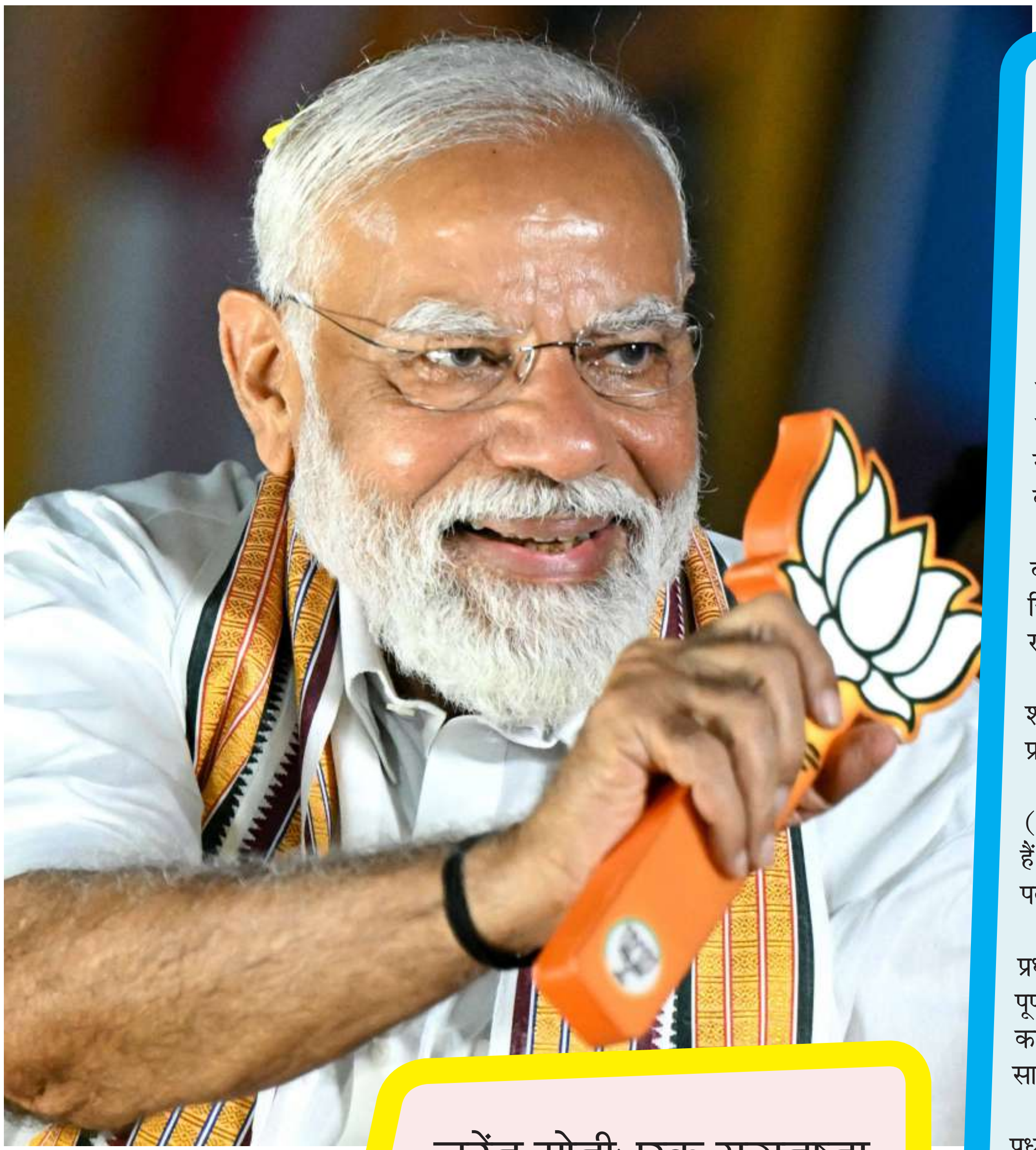

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 जुलाई 2025 को एक और ऐतिहासिक कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है। इस दिन उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में 4,078 दिन का कार्यकाल पूरा करते हुए इंदिरा गांधी के 4,077 दिनों के कार्यकाल को पीछे छोड़ दिया।

इस उपलब्धि के साथ वे अब देश के दूसरे सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं। उनसे आगे केवल भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू हैं, जिनका कुल कार्यकाल सबसे लंबा रहा। नरेंद्र मोदी की यह उपलब्धि न केवल समय की दृष्टि से अभूतपूर्व है, बल्कि उनके नेतृत्व की स्थिरता, जनविश्वास और राजनीतिक सूझबूझ का भी प्रमाण है।

गुजरात से दिल्ली तक का 24 वर्षों का अटूट जननेतृत्व, देश के लिए नया रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक सफर वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुआ था और अब तक वे राज्य तथा केंद्र दोनों स्तरों पर लगभग 24 वर्षों से निर्वाचित सरकारों का नेतृत्व कर रहे हैं। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी नेता ने इतनी लंबी अवधि तक जनादेश प्राप्त कर शासन किया हो। यह न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारतीय राजनीति में लोकतांत्रिक स्थायित्व का एक अद्वितीय उदाहरण भी है। नरेंद्र मोदी का यह सफर लगातार जनसमर्थन, नीतिगत स्पष्टता और देशहित में निर्णायक फैसलों से भरा रहा है, जिसने उन्हें जनता के बीच एक भरोसेमंद और सशक्त नेता के रूप में स्थापित किया।

नरेंद्र मोदीः एक युगद्रष्टा नेता जिनका नेतृत्व बना नई पीढ़ी की प्रेरणा

नरेंद्र मोदी की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत राजनीतिक जीवन का स्वर्णिम अध्याय है, बल्कि यह देश की लोकतांत्रिक यात्रा में एक ऐतिहासिक मोड़ भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति को आधार बनाकर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई दी और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। आज जब वे देश के दूसरे सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन चुके हैं, यह उपलब्धि न केवल उनके संकल्प और परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह देश की जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक भी है। नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति में अब केवल एक प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि एक युगद्रष्टा नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं, जिनका नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा बना रहेगा।

ऐसे नेता जिनका नाम भारतीय राजनीति में कई ऐतिहासिक 'पहली बार' के साथ दर्ज

» नरेंद्र मोदी की यह उपलब्धि केवल कार्यकाल की लंबाई तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके नाम कई ऐसे रिकॉर्ड दर्ज हैं जो उन्हें भारत की राजनीति में एक विशेष स्थान प्रदान करते हैं:

» वे स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाले पहले और एकमात्र प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सबसे लंबे समय तक पद पर रहकर देश का नेतृत्व किया।

» वे सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं।

» गैर-हिंदी भाषी राज्य (गुजरात) से आने वाले वे पहले नेता हैं जो इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर आसीन रहे।

» वे पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लगातार दो पूर्ण कार्यकाल पूरे किए और तीसरे कार्यकाल के लिए भी स्पष्ट बहुमत के साथ चुने गए।

» नरेंद्र मोदी पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं जिन्हें लोकसभा में स्पष्ट बहुमत मिला, और इंदिरा गांधी के बाद वे दूसरे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें लगातार दो बार पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ।

छह चुनावों में लगातार जीत, मोदी की अपराजेय चुनावी यात्रा

» नरेंद्र मोदी की नेतृत्व यात्रा केवल सत्ता में बने रहने तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को लगातार छह चुनावों में जीत दिलाकर इतिहास रच दिया। मुख्यमंत्री के रूप में 2002, 2007 और 2012 में गुजरात विधानसभा चुनावों में जीत, और फिर 2014, 2019 व 2024 में लोकसभा चुनावों में ऐतिहासिक बहुमत के साथ विजय उनके नेतृत्व की व्यापक स्वीकार्यता का परिचायक है।

“नशा एक व्यक्ति करता है और एक परिवार, समाज और राष्ट्र उस उत्पीड़न का भार उठाता है - डॉ. भरत शर्मा”

छात्रों द्वारा नशे के बिरुद्ध विशाल मानव श्रृंखला बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित

आदित्य शर्मा- 8224951278

इंदौर पुलिस ने नशे के विरुद्ध जनजागरण अभियान “नशे से दूरी है जरूरी” के अंतर्गत विशाल मानव श्रृंखला बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित करने के आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि डॉ भरत शर्मा ने इस उपलब्धि को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता देने पर इंदौर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह,IPS को प्रणाम-पत्र सौंपकर इस रिकॉर्ड की औपचारिक घोषणा की। इंदौर शहर में भँवरकुआँ से पलासिया चौराहे

तक 4800 विद्यालय के छात्र और 2300 कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर नशे से मुक्ति का आह्वान किया गया । डॉ भरत शर्मा और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से चार्टर्ड ऑफिसर अपूर्वा मेनन ने इंदौर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह,IPS, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री मनोज के श्रीवास्तव,IPS तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री राजेश दंडोतिया का सम्मान शॉल और मेडल पहनाकर किया। डॉ भरत शर्मा द्वारा वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सर्टिफिकेट का वाचन कर उसे प्रदत्त किया गया। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सीईओ अधिवक्ता श्री संतोष शुक्ला ने भी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर इंदौर पुलिस को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

इंदौर की छवि से खिलवाड़ नहीं चलेगा!

महापौर की फेक न्यूज फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी

राजेश धाकड़

इंदौर,महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोशल मीडिया पर इंदौर की छवि को धूमिल करने वाली फेक न्यूज और भ्रामक पोस्ट्स को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जो लोग दूसरे शहरों की घटनाओं, वीडियो या फोटो को इंदौर का बताकर वायरल कर रहे हैं, उनके खिलाफ सीधी FIR दर्ज की जाएगी। अब चेतावनी नहीं, सीधे कानूनी कार्रवाई होगी।

फेक वीडियो से फैलाई जा रही भ्रांति

महापौर भार्गव ने हालिया उदाहरण का हवाला देते हुए बताया कि खजराना ब्रिज से जुड़ी एक फेक वीडियो हाल में वायरल हुई, जिसमें किसी अन्य शहर की दुर्घटना को इंदौर की बताकर जनता को गुमराह किया गया। इसी तरह एक और पोस्ट में किसी और शहर में गड्ढे में पलटे ऑटो की तस्वीर को इंदौर की सड़कों से जोड़कर भ्रम फैलाने की कोशिश की गई।

शहर के साथ विश्वासघात है यह कृत्य”

महापौर ने कहा,इंदौर की पहचान उसकी स्वच्छता, अनुशासन और सकारात्मक सोच से है। ऐसे में जो लोग सिर्फ लाइक्स और व्यूज के लिए फेक वीडियो व झूठी जानकारी फैलाकर शहर की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचा रहे हैं, वह इंदौर से विश्वासघात कर रहे हैं।”

महापौर ने जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा गठित सोशल मीडिया निगरानी टीम अब ऐसे भ्रामक कंटेंट पर विशेष नजर रखेगी। जैसे ही किसी पोस्ट में संदेहजनक या गलत जानकारी पाई जाती है, संबंधित व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।

इंदौरवासियों से अपील

शहर के नागरिकों से महापौर ने अपील की है कि,कोई भी फोटो, वीडियो या सूचना शेयर करने से पहले उसकी सत्यता की जांच जरूर करें। भ्रामक जानकारी फैलाना कानूनन अपराध है और इससे आपके अपने शहर की छवि धूमिल होती है।”

सच्चाई साझा करें, फेक से बचें

यह चेतावनी उन सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए स्पष्ट संकेत है जो बिना पुष्टि के भ्रामक जानकारियाँ फैलाते हैं। इंदौर प्रशासन अब ऐसे मामलों में ‘जीरो टॉलरेंस’ नीति के तहत कार्य करेगा। “इंदौर देश का स्वच्छतम शहर है और इसकी छवि किसी भी कीमत पर बिगड़ने नहीं दी जाएगी।” – महापौर पुष्यमित्र भार्गव

संगठन जाए भाड़ में

गुटबाज़ी ज़िंदाबाद!

इंदौर।,भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल ने पदभार संभालते ही आदेश जारी किया “विधायक-मंत्री आपस में सामंजस्य बढ़ाएं, एक-दूसरे के घर ‘भोज’ रखकर एकता दिखाएं।” अब आदेश था तो पालन भी होना ही था... और सबसे पहले इसका पालन इंदौर में हुआ। लेकिन जिस बात की आशंका थी, वही हुआ गुटबाज़ी भोज में नहीं घुल पाई! कैलाश जी के घर आयोजित भोज में नज़र नहीं आए कटार वाली दीदी, मन की करने वाले मनोज पटेल, और भाभी की सहानुभूति से हारने वाले लखन दादा! हालांकि “बाबा” जरूर आए शायद विधानसभा और पार्टी दोनों में अपनी भूमिका सुरक्षित रखने का उनका तरीका कुछ अलग है। अब बाकी बचे विधायकों की बारी है... लेकिन बड़ा सवाल वही क्या भोज से भाजपा की ‘बाहरी एकता’ और ‘भीतर की दूरी’ मिट पाएगी? असल में इंदौर भाजपा में गुटबाजी कोई नई बीमारी नहीं है, ये तो तीन दशक पुरानी परंपरा है, जिसे संगठन ने खुद सींचा है। जब 30-35 साल से एक ही नेता

को बार-बार टिकट मिलता है, तो बाकी नेता गुटबाज नहीं बनेंगे तो क्या चौकीदार बनेंगे? चाहे प्रदेश अध्यक्ष कोई भी हो... चाहे स्वयं मोदी जी ही क्यों न आ जाएं — इंदौर की भाजपा का गुटबाजी प्रेम खत्म नहीं हो सकता! और अंत में इतना ही,भोज से पेट भर सकता है, मन नहीं।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार ,
29 जुलाई 2025 से 4 अगस्त 2025 तक

नाग पंचमी का पावन पर्व

प्रकृति और आस्था का अद्भुत संगम

नाग पंचमी, श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाने वाला हिन्दू धर्म का प्रमुख पर्व है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। मान्यता है कि नाग पंचमी पर भगवान शिव के गले में विराजमान नागों की पूजा करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और सुख–समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

पौराणिक महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार नाग पंचमी का सीधा संबंध भगवान शिव, विष्णु और शेषनाग से है। इस दिन घरों के द्वार पर नाग देवता की मूर्ति या चित्र बनाकर दूध चढ़ाया जाता है। मान्यता है कि यह पूजा व्रत संतान की रक्षा, परिवार की उन्नति और जीवन में बाधाओं को दूर करता है।

प्रकृति से जुड़ा संदेश

नाग पंचमी का पर्व केवल धार्मिक ही नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है। नाग और सर्प पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि सभी जीव-जंतु हमारे पर्यावरण का अभिन्न हिस्सा हैं, उनका संरक्षण और सम्मान करना हमारा कर्तव्य है।

पूजा विधि

पंचमी के दिन स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। नाग देवता की मूर्ति, चित्र या मिट्टी से बनाए गए नाग की पूजा करें। दूध, अक्षत, हल्दी-कुमकुम और पुष्प अर्पित करें।

इस दिन भूमि की खुदाई न करने की परंपरा है।

रणजीत टाइम्स की ओर से आप सभी को नाग पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं! "भगवान शिव और नाग देवता का आशीर्वाद आपके जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लाए।"

पौराणिक ग्रंथों में वर्णित कुण्डलिनी जागरण का प्रमाण है सहजयोग

बदलाव उन्नति को दर्शाता है, जिस प्रकार समय के साथ- साथ मानव जीवन-शैली में बदलाव आया है उसी प्रकार समय के साथ- साथ प्रकृति को भी बदलाव करने पड़ते हैं। धरती पर अवतरित हुए सभी अवतरणों ने इस बदलाव की आवश्यकता को अपने-अपने तरीकों से एवं समय जिस प्रकार के तरीकों की मांग करता है उन तरीकों से मनुष्य को सही पथ पे चलने के लिए प्रेरित किया है।सभी के तरीके भले ही भिन्न थे परंतु संदेश एक ही था। इसी विषय पर पर प्रकाश डालते हुए सहजयोग की संस्थापिका श्री माता जी निर्मला देवी जी कहते हैं कि आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है सहजयोग। श्री माता जी साधकों को संबोधित करते हुए समझाते हैं कि प्राचीन काल से चले आ रहे हठयोग, राजयोग आदि उस प्राचीन समय की आवश्यकता थे पर क्योंकि अब मानव विकसित होने की चरम सीमा पर है तो उसे इस बदलाव से मित्रता कर आधुनिक समय की मांग को समझ कर खुद पर कार्य करना होगा, स्वयं को समझना होगा। जो शुद्धता मानव प्राचीन काल में अपने घरों से एवं संबंधियों से दूर रह कर कड़ी तपस्या करने से प्राप्त करता था ताकि वह परमात्मा के प्रेम शक्ति की अनुभूति कर सके, आज के समय में वह शुद्धता, चैतन्य की सतर्कता एवं परमात्मा की प्रेम शक्ति को कुंडलिनी जागरण की सहायता से क्षण भर में अपने सूक्ष्म तंत्र पर महसूस कर सकता है। कुंडलिनी जागरण श्री माता जी के द्वारा दी गई मानवता को एक ऐसी भेंट है जिसने मानव की सत्य-खोज को एक सुंदर आयाम प्रदान किया है। आज के समय विश्व भर में फैला हुआ सहजयोग करोड़ों में सत्य के साधकों द्वारा अपनाया गया है एवं उन सभी ने इस सुंदर अनुभव को अपने अंदर एक सुंदर बदलाव के रूप में देखा है। सहजयोग का प्रथम चरण ही कुंडलिनी जागरण है, जिसकी सहायता से मनुष्य का संबंध परमात्मा की सर्वव्यापी प्रेम शक्ति से हो जाता है और वह सुंदर प्रेम से प्लावित हो जाता है। सभी पौराणिक ग्रंथों में कुंडलिनी जागरण एवं सहजयोग की परिभाषा का वर्णन किया गया है। यदि मनुष्य ही निर्वाज्य प्रेम से भर जाएगा तो विश्व में हो रही धन और सत्ता की अंधी लड़ाई को खत्म कर केवल आपसी प्रेम की भावना रखेगा और इसी प्रकार पूरा विश्व हर भेदभाव को भुलाकर एक हो जाएगा। यही सपना श्री माता जी ने अपनी आँखों में लिए विश्व भर में यात्राएं की और साधकों की कुंडलिनी जागृत की तथा उसी प्रेम के धागे से सभी सहजयोगियों को बांध एक सुंदर विश्व स्थापित करने का संदेश मनुष्य को दिया। सहजयोग के बारे में अधिक जानकारी इस टॉल फ्री नम्बर 1800 2700 800 पर प्राप्त कर सकते हैं।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर

एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित
संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)